भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2061

दिनांक 02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

ओडिशा में कुपोषण

2061. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रहीः

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि:

(क) ओडिशा में कुपोषण से प्रभावित बच्चों और महिलाओं की अनुमानित संख्या कितनी है;

(ख) सरकार द्वारा देश भर में विशेषकर ओडिशा राज्य में कुपोषण को रोकने के लिए उठाए गए/ उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या कुपोषण से प्रभावित महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक भोजन मिल रहा है, यदि हां, तो कंधमाल संसदीय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित उक्त राज्य में लाभार्थियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) : 15वें वित्त आयोग के तहत आंगनवाड़ी सेवाएं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए योजना (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष) को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत शामिल किया गया। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इस योजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों के पास है। यह योजना ओडिशा के सभी जिलों में कार्यान्वित की जा रही है।

1992-93 से अब तक आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के विभिन्न दौर में बच्चों में कुपोषण के संकेतकों में सुधार दिखाया गया है। एनएफएचएस-1

से एनएफएचएस-5 तक 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इन संकेतकों का विवरण इस प्रकार है:

एनएफएचएस **सर्वेक्षण**	**अल्प वजन का %**	**दुबलापन का %**	**ठिगनापन का %**
एनएफएचएस -1 (1992-93)*	53.4	17.5	52
एनएफएचएस -2 (1998-99)**	47	15.5	45.5
एनएफएचएस -3 (2005-6) ***	42.5	19.8	48.0
एनएफएचएस -4 (2015-16) ***	35.8	21.0	38.4
एनएफएचएस -5 (2019-21) ***	32.1	19.3	35.5

* 4 वर्ष से कम

** 3 वर्ष से कम

*** 5 वर्ष से कम

उपर्युक्त तालिका तत्कालीन समय 0-3 वर्ष, 0-4 वर्ष और 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों में कुपोषण के संकेतकों की तस्वीर प्रस्तुत करती है। इस तालिका के अनुसार पिछले 30 वर्षों के दौरान बच्चों में कुपोषण का स्तर लगातार कम हुआ है।

वर्ष 2021 के लिए 5 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 13.75 करोड़ है (स्रोत: भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमान 2011-2036, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय)। तथापि, 5 वर्ष तक के केवल 7.65 करोड़ बच्चे ही आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत हैं। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 7.37 करोड़ बच्चों का वृद्धि मापदंडों पर मापन किया गया। इनमें से 36.5% बच्चे ठिगने पाए गए, 16.4% बच्चे कम वजन के पाए गए और 6% बच्चे दुबले पाए गए।

इसके अलावा, वर्ष 2021 के लिए 6 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 16.1 करोड़ है। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार आंगनवाड़ियों में केवल 8.91

करोड़ बच्चे (0-6 वर्ष) नामांकित हैं जिनमें से 8.57 करोड़ बच्चों का वृद्धि मापदंडों पर मापन किया गया। इनमें से 35.6% बच्चे (0-6 वर्ष) ठिगने पाए गए हैं और 17.2% बच्चे (0-6 वर्ष) कम वजन के पाए गए हैं।

एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा राज्य में एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पोषण संकेतकों में सुधार हुआ है। ठिगनापन 34.1% से घटकर 31% हो गया है जबकि दुबलापन 20.4% से घटकर 18.1% हो गया है और कम वजन का प्रचलन 34.4% से घटकर 29.7% हो गया है।

इसके अलावा, ओडिशा राज्य के लिए जून 2024 के महीने के पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार 6 वर्ष से कम आयु के लगभग 34.68 लाख बच्चों को मापा गया जिनमें से 22% बच्चे ठिगने और 12% कम वजन के पाए गए और 5 वर्ष से कम आयु के 3% बच्चे दुबले पाए गए। बच्चों में कम वजन और दुबलेपन का स्तर पोषण ट्रैकर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार एनएफएचएस 5 द्वारा अनुमानित स्तर से बहुत कम है।

(ख) तथा (ग): मिशन पोषण 2.0 एक सार्वभौमिक स्व-चयन (नो एंट्री बैरियर) योजना है जो आंगनवाड़ी केंद्रों में नामांकन कराने वाले सभी लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है और इसे ओडिशा राज्य सहित देश भर के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित किया जा रहा है। इस योजना के तहत सामुदायिक सहभागिता, आउटरीच, व्यवहार परिवर्तन और पैरवी के माध्यम से कुपोषण में कमी लाने तथा स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और प्रतिरक्षा में सुधार के लिए कार्यनीतिक परिवर्तन किया गया है। यह योजना मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार मानदंडों, गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम)/मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के उपचार और आयुष प्रथाओं के माध्यम से तंदुरुस्ती पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि कुपोषण, कम वजन, ठिगनेपन और एनीमिया को कम किया जा सके।

इस योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनुसूची-II में निहित पोषण मानदंडों के अनुसार पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। कुपोषण की चुनौती से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पोषण मानदंडों को संशोधित किया गया है। पुराने मानदंड काफी सीमा तक कैलोरी-विशिष्ट थे हालांकि संशोधित मानदंड आहार विविधता के सिद्धांतों के आधार पर पूरक पोषण की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के मामले में अधिक व्यापक और संतुलित हैं जिसमें गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन, स्वस्थ वसा और सूक्ष्म पोषक तत्व का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं और बच्चों में एनीमिया को नियंत्रित करने और सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति की जा रही है। लाभार्थियों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर सप्ताह में कम से कम एक बार पका हुआ गर्म भोजन और टेक होम राशन (टीएचआर - कच्चा राशन नहीं) तैयार करने के लिए मोटे अनाज के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है।
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने संयुक्त रूप से बच्चों में गंभीर कुपोषण की रोकथाम एवं उपचार तथा इससे संबंधित अस्वस्थता एवं मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सामुदायिक कुपोषण प्रबंधन (सीएमएएम) प्रोटोकॉल जारी किया।

मिशन पोषण 2.0 के तहत की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों में से सामुदायिक जुटाव और जागरूकता प्रचार है जो लोगों को पोषण संबंधी पहलुओं के बारे में शिक्षित करने के लिए जन-आंदोलन बनता जा रहा है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र क्रमशः सितंबर और मार्च-अप्रैल के महीने में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के दौरान सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों के तहत नियमित रूप से जागरूकता गतिविधियों का आयोजन और रिपोर्टिंग कर रहे हैं। समुदाय आधारित कार्यक्रम (सीबीई) पोषण प्रथाओं को बदलने में एक महत्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में काम कर रहे हैं और सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रति माह समुदाय आधारित दो कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है।

ओडिशा राज्य और कंधमाल संसदीय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र (कंधमाल, बौध, नयागढ़ और गंजम) के अंतर्गत आने वाले जिलों में लाभार्थियों का विवरण इस प्रकार है:

विवरण	ओडिशा	**कंधमाल निर्वाचन क्षेत्र (कंधमाल, बौध, नयागढ़ और गंजम) के अंतर्गत आने वाले जिलों का आंकड़ा**
पंजीकृत लाभार्थी *		
i. गर्भवती महिलाएँ	3,03,509	44,450
ii. स्तनपान कराने वाली माताएं	1,91,960	27,516
iii. बच्चे (0 - 6 माह)	1,77,120	23,117

विवरण	ओडिशा	**कंधमाल निर्वाचन क्षेत्र (कंधमाल, बौध, नयागढ़ और गंजम) के अंतर्गत आने वाले जिलों का आंकड़ा**
iv. बच्चे (6 माह - 3 वर्ष)	15,15,110	2,21,323
v. बच्चे (3 - 6 वर्ष)	17,86,935	2,47,426
vi. राज्य के आकांक्षी जिलों में किशोरियाँ (14 - 18 साल)	2,72,062	16,662

* पोषण ट्रैकर पर जून 2024 माह के लिए उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार

*****